बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

18 सितम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 224
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

'कुदरत की मार से कांपा चमोली- गांव दर गांव तबाही'

❑35 घर बह गए, 15 लोग लापता, सैकड़ों परिवार दहशत में

❑नन्दानगर के चार गांवों में हाहाकार,गाय भैंसें बही

विशेष संवाददाता

देहरादून/चमोली। उत्तराखंड के जनपद चमोली की नगर पंचायत नन्दानगर में बीती रात हुई भारी बारिश के कारण पहाड़ से आए पानी और मलबे ने क्षेत्र के चार गांवों में भारी तबाही मचाई है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार यहां 35 मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है तथा 15 से अधिक लोग लापता है। जबकि बचाव व राहत का काम करते हुए दो लोगों को रेस्क्यू किया गया है और 20 से अधिक घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान कई गौशालाएं तथा गाय-भैंसों के भी बह जाने की बात कही गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रात लगभग 10.30 से 11 बजे आई इस आपदा ने घुर्मा, कुतरी, लागाफालू, शेरापूरा और सरपानी को अपनी जद में ले लिया। बताया गया है कि घुर्मा और कुंतरीलगाफालू में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। कुंतरी में जहां सात घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं वहीं 7 से 8 लोग लापता बताए गए हैं जबकि घुर्मा में पांच घर तबाह हो गए और दो लोग लापता है। सेरापुर और सरपानी में भी भारी नुकसान होने की खबरें हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिला अधिकारी संदीप तिवारी और पुलिस अधीक्षक सर्वेश पवार सुबह ही प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि बचाव व राहत के काम को तेजी से किया जाए। तथा प्रभावितों को हर संभव मदद की जाए। मोक्ष नदी इस वक्त उफान पर है तथा कई जगह सड़के भी टूट गई है जिससे बचाव व राहत कार्य में दिक्कतें हो रही है। उन्होंने कहा कि 15 लापता लोगों की तलाश की जा रही है तथा बेघर लोगों के रहने के लिए अस्थाई व्यवस्था की जा रही है।

❑शाम तक खुल जाएगा दून-मसूरी मार्ग

मुख्यमंत्री धामी ने आज सुबह मसूरी क्षेत्र में आई आपदा का धरातल पर जाकर निरीक्षण किया तथा इसके बाद सचिवालय में आयोजित अधिकारियों की बैठक में उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए। उनका कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, प्रशासन की टीमें काम कर रही है। आज शाम तक सड़क मार्ग को दुरस्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपदाओं पर कोई नियंत्रण नहीं हो सकता। चमोली में जहां भी भीषण आपदा आई है वहां कोई अनियोजित विकास कार्य नहीं हुआ है फिर भी आपदा की मार झेलनी पड़ रही है हम प्रभावितों के साथ खड़े हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकप्रियता, आयोजित या प्रायोजित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल अपनी उम्र के 75 साल का सफर पूरा कर लिया। बीते 11 सालों से वह देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हैं स्वाभाविक है कि ऐसा कोई नेता अगर अपनी ही जयंती दिवस मना रहा है तो देश-विदेश से बधाइयो का तांता तो लगा ही रहा होगा। हमने भी उनकी दीर्घायु व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। लेकिन आज मीडियां सारे दिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के 75 में जन्मदिन पर आयोजन के उन कार्यक्रमों के लाइव टेलीकास्ट में जुटा था जो मध्य प्रदेश में आयोजित किये जा रहे थे वहीं से कुछ ऐसी तस्वीरें भी सामने आई कि उनके कार्यक्रम से पूर्व एक भाजपा नेता वहां जमा भीड़ को इस बात की ट्रेनिंग दे रहा है कि जब मोदी मंच पर आए तब उन्हें क्या करना है? पहले तालियों से उनका स्वागत करना है। नेताजी उस भीड़ से ताली बजवाते हैं फिर कहते हैं मजा नहीं आया और जोर से बजाइये। फिर कहते हैं कि अब नारे लगाइए नारे तो दिल से निकलते है बोलिए मोदी-मोदी-मोदी इसके साथ ही वह यह भी कहते हैं कि मैं आपको डायरेक्शन नहीं दे रहा हूं। यह सब आपको खुद करना है। मोदी जैसे नेता जिन्हें विश्व गुरु कहा जाता है क्या अब इस तरह के प्रायोजित प्रचार की जरूरत पड़ रही है? यह सवाल हैरान करने वाला है। एक अन्य बात जो सामने आई है वह है उनके जन्मदिन पर इंस्टाग्राम जहां पहले स्थान पर हेसटेक है हैप्पी बर्थडे कर रहा था तो वहीं दूसरे नंबर था राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस जो देश की एक अंतहीन समस्या बन चुकी है। जिसका कोई समाधान संभव नहीं दिख रहा है। 2024-25 में देश में बेरोजगारी की दर 30 फीसदी पर हो गई है। सरकारों द्वारा इस छिपाने के लिए नियुक्तियों के पत्र जो कभी डाक द्वारा पहुंचते थे वह मुख्यमंत्री द्वारा समारोह का आयोजन कर बांटे जा रहे हैं। पीएम मोदी ने बेरोजगारों को 2 करोड़ रोजगार हर वर्ष देने का जो वायदा किया था वह शगुफा साबित हो गया है। इसे लेकर बेरोजगारों में इस कदर आक्रोश है कि आज जब मोदी के जन्मदिन पर एक तरफ लखनऊ में बेरोजगार मेले में पहुंचे युवा सरकार व नेताओं को इस आयोजन के लिए पानी पी-पी कर कोस रहे थे वहीं सोशल मीडिया पर कमेंट करने वाले नौकरी चोर गद्दी छोड़ जैसे कमेंट कर रहे थे। और मोदी के जन्मदिन समारोह को जुमला दिवस मनाने की राय दे रहे थे। अब बेरोजगारी का दंश झेल रही देश के यह युवा आबादी जो 65 से 70 करोड़ के बीच है अब करे भी तो क्या करें। अब आते हैं एक तीसरी खबर पर जो मीडिया से जुड़ी हुई है। मोदी के 75वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए आज मीडिया के लिए सरकारी खजाने का मुंह भी बड़ी उदारता के साथ खोल दिया गया हिंदी के कुछ बड़े अखबारों से लेकर अंग्रेजी तक तमाम अखबारों में पूरे पूरे पेज के रंगीन से लेकर ब्लैक एंड व्हाइट तक विज्ञापनों की ऐसी भरमार थी कि खबरों के लिए कहीं जगह ही नहीं बची थी। अगर इन विज्ञापनों में किए गए खर्च का अनुमान लगाया जाए तो वह उत्तराखंड राज्य के आपदा पीड़ितों को प्रधानमंत्री द्वारा दी गई धनराशि से भी 2 गुना तक अधिक हो सकती है। सवाल यह है कि यह कैसी लोकप्रियता है? और कैसी व्यवस्था है? जहां सब कुछ प्रायोजित है। अब तक योजनाओं के लाभार्थियों से उनकी वार्ताओं पर सवाल उठाते थे कि सब कुछ पूर्व निर्धारित किया हुआ होता है लेकिन यहां तो ऊपर से लेकर नीचे तक सब कुछ दिखावा ही दिखावा और प्रायोजित है। सवाल यह है कि 2014 में मोदी जी को लाने के नारे वाली वह उनकी लोकप्रियता 11 सालों में कैसे और कहा लुप्त हो गई।

लापता लोगों की खोज के लिए पूरी तत्परता से काम करें राहत व बचाव दलः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। चमोली में आयी आपदा का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावित क्षेत्र में युद्ध स्तर पर राहत व बचाय कार्य संचालित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से देर रात चमोली जनपद में अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित करने, प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने तथा प्रभावित लोगों को असुरक्षित स्थानों से सुरक्षित स्थानों में पहुंचने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विभिन्न घटनाओं में घायल हुए लोगों का बेहतर से बेहतर उपचार करने तथा लापता लोगों की खोज के लिए खोज एवं बचाव अभियान को तत्परता से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। राहत और बचाव दलों को प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित गति से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन भाई बहनों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके रहने, भोजन के साथ ही स्वास्थ्य सुविध

●प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने के निर्देश

ाओं की समुचित व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई है। प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द बिजली तथा पानी की आपूर्ति बहाल करने और क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि बीती देर रात चमोली जनपद के तहसील नंदानगर के ग्राम कुन्तरी लगाफाली, ग्राम कुन्तरी लगा सरपाणी एवं ग्राम-धुर्मा में अतिवृष्टि के कारण भारी मलबा आने से नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि गत रात्रि समय लगभग प्रातः तीन बजे तहसील नदांनगर अंतर्गत ग्राम-कुन्तारी लगाफाली में अतिवृष्टि के कारण 08 व्यक्तियों के लापता होने तथा मलबे में दबने एवं 15-20 भवन व गौशाला के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है।

मलबे में दबे 3 (2 महिलाओं एवं 1 बच्चे) को स्थानीय पुलिस, डीडीआरएफ, एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा सुरक्षित रैस्क्यू कर लिया गया है। लगभग 150-200 ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। उपरोक्त घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नंदानगर में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। घटना स्थल पर तुरन्त प्रभाव से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं आई. टी.बी.पी. गौचर 8वीं वाहिनी की टीमों को बचाव कार्य हेतु भेजा गया है। भारी वर्षा एवं मार्गों में जगह-जगह भूस्खलन होने के कारण रैस्क्यू टीमों को घटना स्थल पर पहुंचने में विलंब हो रहा है। एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ, की टीम पैदल मार्ग से मौके पर पहुंचने वाली है। वहीं दूसरी घटना तहसील नदांनगर अंतर्गत कुन्तारी लगा सरपाणी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

महाविद्यालय में दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विविध गतिविधियों से परिचित कराने और उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अवधेश नारायण सिंह द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात दीक्षारम्भ कार्यक्रम की संयोजिका प्रो हेमलता सैनी द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। आपने महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर विकास दुबे ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के तहत संचालित सेमेस्टर सिस्टम में क्रेडिट सिस्टम की बारीकियों से परिचित कराया । इसके बाद समर्थ पोर्टल के प्रभारी डॉ राजेश कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को सेमेस्टर सिस्टम में समर्थ पोर्टल की भूमिका के बारे में बताया। आपने ए.बी.सी. आईडी की अनिवार्यता से विद्यार्थियों को परिचित कराया । क्रीड़ा प्रभारी डॉ राजेश कुमार ने महाविद्यालय में संचालित होने वाली विभिन्न क्रीड़ा गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया । आपने व्यक्तित्व विकास में क्रीड़ा के महत्व को रेखांकित करते हुए विगत वर्षों में महाविद्यालय की क्रीड़ा उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ अलंकृता सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत संचालित विविध कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया । रेडक्रास के प्रभारी डॉ राजेश कुमार सिंह ने विधार्थियों को उनके सामाजिक सरोकारों से परिचित कराते हुए रेडक्रॉस के माध्यम से शिक्षणेत्तर गतिविधियों के विविध आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

महाविद्यालय के मुख्य शास्ता एवं छात्र संघ प्रभारी प्रो सर्वजीत सिंह ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सामान्य संचालन से जुड़े अनुशासन के नियमों से विद्यार्थियों को परिचित कराया । आपने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे महाविद्यालय में समय से उपस्थित होकर अनुशासन का पालन करते हुए अपनी कक्षाओं में जाएं । मनोविज्ञान विभाग प्रभारी प्रो दीपा वर्मा ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया । अपने मानसिक तनाव से निपटने के तौर तरीकों से विद्यार्थियों को परिचित कराया । आपने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे परीक्षा समय सारिणी में अपने विषय और समय को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के लिए उपस्थित हों।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अवधेश नारायण सिंह ने विद्यार्थियों को कक्षाओं में उपस्थित के मानकों से परिचित कराया । आपने बताया कि विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशों के अनुसार कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है । अनुपस्थित होने की दशा में विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जाएगा ।आपने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित होकर शैक्षिक और शिक्षणेत्तर गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें ।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के डॉ राजेश कुमार सिंह द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में गणित विभाग की प्रभारी प्रो अमिता चौरसिया ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापन किया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रथम सेमेस्टर के समस्त संख्याओं के विद्यार्थी और महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो शैलजा जोशी,प्रो रविन्द्र कुमार सैनी, डॉ अपर्णा सिंह, डॉ सुनील कुमार मौर्य, डॉ शिल्पी अग्रवाल, डॉ निमिता कान्याल, डॉ चंद्रपाल, डॉ इंदु शेखर ममगाईं, डॉ दीपमाला, डॉ विकार हसन खान, डॉ. विवेकानन्द पाठक, डॉ प्रद्युम्न कुमार रिछारिया, डॉ रूमा शाह, डॉ पूनम शाह, डॉ अलंकृता सिंह, डॉ अंकिता चंदोला आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने दिये सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भारी बारिश के चलते जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं उप जिला अधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों फिल्ड कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क एवं अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र मे ं सतर्क एवं अलर्ट रहें तथा फील्ड कर्मचारियों को भी सतर्क रहने को निर्देशित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र में कोई घटना घटित होने एवं जल भराव की स्थिति होने पर त्वरित आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि भारी बारिश के कारण यदि किसी सम्पत्ति एवं योजना को कोई क्षति होती है तो उसका आंकलन करते हुए आंकलन प्रस्ताव तत्काल जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।

ब्रेकअप के कारण दुखी है आपका मन? बेहतर महसूस करने के लिए करें ये 5 काम

लोग कहते हैं कि किसी रिश्ते के टूटने का दर्द इंसान को अंदर से भी तोड़ देता है। ब्रेकअप होने के बाद सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है और मन हर वक्त दुखी रहता है। कुछ लोग तो इस वजह से अवसाद और चिंता का शिकार हो जाते हैं। हालांकि, एक कमजोर रिश्ते की याद में खुद को परेशान करना सही नहीं है। हम आपको कुछ डेटिंग टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाने से आपको ब्रेकअप से उबरने में मदद मिलेगी।

जो हुआ उसे स्वीकार करें

जब कोई भी रिश्ता टूटता है तो हम दिल में उम्मीद लिए बैठे रहते हैं कि कुछ दिनों में सब ठीक हो जाएगा। हालांकि, हकीकत इससे अलग होती है और उसे स्वीकार किए बिना आगे बढ़ना नामुमकिन है। इसीलिए, इस बात को जल्द से जल्द स्वीकार करें कि ब्रेअकप असल में हो गया है और जी भर के रो लें। अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं और बीते पलों को याद करने के बजाय आगे की जिंदगी के बारे में सोचें।

उस व्यक्ति के बारे में बात करने और सोचने से बचें

ब्रेकअप के बाद अपने साथी की यादों को दिल से निकालना सबसे कठिन होता है। कुछ लोग इस वजह से अपने एक्स को बार-बार फोन करते रहते हैं या दिनभर उनके बारे में सोचते रहते हैं। हालांकि, ऐसा करना आपको जीवन में कभी आगे बढ़ने नहीं देगा। रिश्ता टूटने के बाद उनके बारे में न सोचने की कोशिश करें। चाहे आपको कितनी भी तकलीफ क्यों न हो, उनसे बात करने या मिलने की गलती न करें।

अपने करीबियों से बात करें और उनसे मिलें

ब्रेकअप के बाद लोग दर्द को अपने दिल में ही दबाकर रखते हैं। इससे तनाव बढ़ जाता है, किसी काम में मन नहीं लगता है और धीरे-धीरे वे अवसाद का शिकार हो जाते हैं। अपनी भावनाओं को छिपाने के बजाय अपने करीबियों से साझा करना बेहतर होता है। अपने दोस्तों या परिवार वालों से बात करके अपने मन का बोझ हल्का कर लें। अपनों के साथ वक्त बिताने से आपको खुशी महसूस होगी और आप जल्दी चीजों को भूल पाएंगे।

खुशी देने वाली गतिविधियां करें

हम जानते हैं कि रिश्ता टूटने का दर्द इतना ज्यादा होता है कि किसी चीज में मन नहीं लगता। हालांकि, अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो कुछ ऐसी गतिविधियां करें, जो आपको खुशी देती हों। इससे आपका ध्यान बटेगा, नकारात्मक विचारों से छुटकारा मिलेगा और आप दोबारा खुद की प्रतिभा को पहचान सकेंगे। अपने दोस्तों संग घूमने जाएं, कोई रचनात्मक गतिविधि अपनाएं, पसंदीदा खाना खाएं या किसी प्यारे जानवर को घर ले आएं।

खुद को व्यस्त रखें

ब्रेकअप काम-काज को अनदेखा करने का बहाना नहीं हो सकता। आपको अपने दर्द से उबरने की कोशिश करने के साथ-साथ अपने पुराने रूटीन में भी वापस आना होगा। सुबह जल्दी उठकर ध्यान लगाएं, खान-पान का ध्यान रखें, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें और खाली न बैठें। खुद को काम में व्यस्त रखने से आपको एक्स के बारे में सोचने का समय नहीं मिलेगा और धीरे-धीरे वह आपके दिल और दिमाग से निकल जाएंगे।

इस प्रकार घरेलू उपायों से कील-मुंहासे होंगे दूर

अगर आप भी कील मुंहासे से परेशान हैं और महंगी क्रीम लगाकर परेशान हो गयी हैं तो कुछ घरेलू उपायों का आजमायें। कील-मुंहासे चेहरे की खूबसूरती खराब कर देते हैं। मुंहासों से छुटकारा पाने में काफी समय लग जाता है लेकिन कुछ आसान तरीके अपना कर इसे एक दिन में ही खत्म किया जा सकता है। वैसे तो संतुलित आहार और पर्याप्त पानी पीने से मुंहासों से छुटकारा पाया जा सकता है लेकिन इस तरह के उपायों में काफी समय लग जाता है। कुछ आसान तरीके भी हैं जिससे आप एकदम से मुंहासे से छुटकारा पा सकती हैं।

एलोवेरा जेल- स्किन की देखभाल के लिए एलोवेरा सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाला चीज है। ये न केवल त्वचा को कोमल बनाता है बल्कि मुंहासे पर भी कारगर है। मुंहासे पर ताजा एलोवेरा जेल लगाने से ये रात भर में साफ हो जाएंगे।

टी ट्री ऑयल- टी ट्री ऑयल में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। थोड़े से नारियल के तेल में टी ट्री ऑयल की दो बूंदें डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसे मुंहासे पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें फिर गुनगुने पानी से धो लें।

ग्रीन टी- स्किन के लिए ग्रीन टी बहुत फायदेमंद है। पानी में ग्रीन टी बैग डालकर इसे गर्म कर लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दे। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे मुंहासे पर लगाएं। ये मुंहासों को रातोंरात समाप्त कर देता है। ग्रीन टी के एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मुंहासों के सूजन को कम कर देते हैं।

शहद- स्किन केयर खासतौर से मुंहासों के लिए शहद बहुत फायदेमंद होता है। शहद एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी होता है जो मुंहासों को दबा देता है। मुंहासों पर एक या दो बूंद शहद लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें और सुबह पानी से चेहरा धो लें।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति अंतहीन सामंतवाद

●देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

ब्रिटिश काल में, राजस्व वसूली के लिए सामंती व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया था। जमींदार या चौधरी जैसे बड़े भू-स्वामी व्यक्तियों और गाँवों से कर वसूलते थे। इन जमींदारों और अधिकारियों के पास ढेरों नौकर-चाकर होते थे, जो घर और दफ्तर के कामों में सहायता करते थे। ब्रिटिश सिविल सेवक, सैन्य अधिकारी और अन्य भारतीय अफसर भी इसी तरह के सेवाओं का लाभ लेते थे। आजादी के बाद इन्हीं नौकरों को एक सम्मानजनक शब्द मिला -चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी -जैसे चपरासी, ड्राइवर, अर्दली आदि।

स्वतंत्र भारत ने इस परंपरा को सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक उपक्रमों में जारी रखा। निजी क्षेत्र ने भी इसी तर्ज पर 'ऑफिस बॉय' और 'हाउसकीपिंग' जैसे नामों से इन्हें अपनाया -अक्सर आउटसोर्स के माध्यम से। भले ही पैंट्री सिस्टम और आधुनिक सुविधाएं आ गई हों, लेकिन मानसिकता आज भी वैसी ही बनी हुई है: फाइलें उठाने, पानी-पैसे या चाय परोसने के लिए एक व्यक्ति की जरूरत अब भी महसूस होती है।

यह सामंती सोच हमारे मध्यवर्गीय घरों में भी झलकती है। झाड़ू-पोंछा, बर्तन आदि के लिए अक्सर एक बाई रखी जाती है। अगर काम के लिए नौकर नहीं मिले, तो तुरंत कहा जाता है: "मुझे तो नौकर बना दिया है!" हैरानी की बात यह है कि यही लोग जब विदेश में रहते हैं, तो ये सभी काम खुद करते हैं -क्योंकि वहां मजदूरी महंगी है और प्रति घंटा भुगतान करना होता है। कुछ परिवार तो नवजात बच्चों की देखभाल के लिए मां या सास को बुला लेते हैं -एक और प्रकार की 'अदृश्य घरेलू सहायता'।

संजय तिवारी, जो कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया राज्य सरकार में सलाहकार हैं, मानते हैं कि भारत की नौकरशाही अब भी औपनिवेशिक सामंती ढांचे से ग्रस्त है। उनके अनुसार, भारत में चपरासी या ड्राइवर का होना सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि रुतबे का प्रतीक है। जबकि कनाडा में क्लर्क, सफाईकर्मी या अन्य स्टाफ काम की आवश्यकता के अनुसार होते हैं -व्यक्तिगत सेवा या अधीनता जताने के लिए नहीं। कनाडा में यूनियन, सामूहिक सौदेबाजी और मेरिट आधारित प्रणाली ने नौकरशाही को ज्यादा समतामूलक बनाया। भारत में ये बदलाव धीमी गति से या अधूरे रूप से हुए।

जब नई दिल्ली में सेंट्रल विस्टा में नए कार्यालय बने, तो कई वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी नाराजगी जताई कि उन्हें अलग केबिन नहीं मिले -यह क्या दर्शाता है? सामंती मानसिकता अब भी जिंदा है।

भारत में श्रम सस्ता है, इसलिए अधिकांश शहरी मध्यवर्गीय घरों में कामवाली बाई होना सामान्य है। एक दादी ने बताया कि जब उन्होंने अपने पोते से कहा कि लॉन में गिरे पत्ते साफ करो, तो उसने जवाब दिया -"इसीलिए तो इंजीनियरिंग कर रहा हूँ!" सोचिए, यह कैसा दृष्टिकोण है? घर का काम अब भी "हीन" समझा जाता है।

फिर भी, जब बात सरकारी चतुर्थ श्रेणी नौकरी की होती है, तो एम.ए. और पीएच.डी धारक भी कतार में खड़े होते हैं -सिर्फ इसलिए क्योंकि वहां मिलते हैं वेतन, भत्ते, रुतबा और पेंशन। निजी क्षेत्र आज तक इन बुनियादी सुविधाओं की बराबरी नहीं कर सका, इसलिए हर कोई सरकारी नौकरी चाहता है।

हालांकि, अब बदलाव की आहट है। ऑफिसों में हाउसकीपिंग और कमरा सेवा जैसे कार्य आउटसोर्स हो रहे हैं। ऑनलाइन सिस्टम के चलते फाइलें डिजिटल हो रही हैं। क्या अफसर अपने निजी वाहन से दफ्तर आ रहे हैं?. क्या यह संकेत है कि तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चलते सामंतवाद का अंत निकट है?

या फिर सिर्फ काम के तरीकों में बदलाव होगा, सोच अब भी वही रहेगी -यह विचारणीय प्रश्न है।

आपको भी सताता है हर समय पीछे छूटने का डर?

फोमो यानी फियर ऑफ मिसिंग आउट या देसी भाषा में कहिए तो पीछे छूट जाने का डर। अगर आपको भी ऐसा डर हर समय सताता रहता है तो आप मेंटल डिसऑर्डर का शिकार हो चुके हैं। आमतौर पर लोगों के इस डिसऑर्डर की वजह उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स होते हैं...

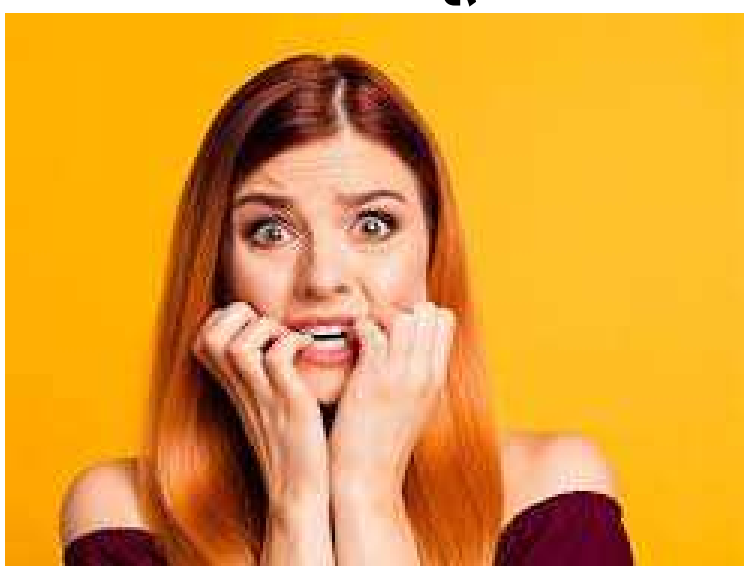

मनुष्य का स्वभाव है कि हम अपनी तुलना लगातार दूसरों से करते हैं। हमें अक्सर लगता है कि दूसरों के पास जो चीजें हैं, वे हमसे बेहतर हैं और इसी सोच के चलते हम खुद को कमतर आंकने लगते हैं। हमारी यह मानसिक दिक्कत उस समय और अधिक बढ़ जाती है, जब कोई इंसान कुछ नया या बड़ा हासिल कर लेता है।

फोमो के शिकार लोगों को अपने जीवन में आई छोटी-सी तकलीफ भी ऐसी लगती है कि जैसे कितना बड़ा हादसा हो गया है। उन्हें लगता है कि दुनिया में जितनी भी परेशानियां हैं वे सब उनकी लाइफ में आ गई हैं।

मुख्य रूप से फोमो वह मानसिक स्थिति है, जो लोगों के मन में दूसरे लोगों की लाइफ से बाहर होने या उनकी लाइफ में अपनी अहमियत खोने के डर से जुड़ी है। यह लोगों में मिसिंग आउट होने का डर पैदा करती है।

फोमो एक कम्पल्सिव डिजायर है, इसमें दूसरे लोगों की लाइफ से हर समय जुड़े रहने की इच्छा होती है। खासतौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से। ऐसे लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम या मास विडियोज के द्वारा दूसरे लोगों की लाइफ में अपनी अहमियत देखते रहना पसंद होता है और उनकी जिंदगी से जुड़े रहना अच्छा लगता है।

फोमो के शिकार लोग हर समय सोशल मीडिया पर यह चेक करते रहते हैं कि दूसरे लोग क्या पोस्ट कर रहे हैं, उनकी लाइफ में क्या नया हो रहा है या हमारी पोस्ट पर लोग किस तरह से रिऐक्ट कर रहे हैं? हमारी पोस्ट पर कितने लाइक मिले हैं?

कई स्टडीज में यह बात सामने आ चुकी है कि हर समय सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहनेवाले लोग कई तरह की मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ऐसे लोगों को ऐंग्जाइटी, मूड स्विंग्स, लोनलीनेस, असुरक्षा की भावना, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक असुरक्षा या चिंता, बहुत अधिक नकारात्मकता और डिप्रेशन जैसी बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

फोमो के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐंटिडिप्रेशन दवाइयों की खपत कई गुना बढ़ चुकी है। इस परेशानी से बचने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि आप सोशल मीडिया का इस्तेमाल कम करें। वर्जुअल दुनिया में नहीं वास्तविक दुनिया में अपना दायरा और लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाएं। स्थिति ना संभलने पर सायकाइट्रिस्ट्स की मदद जरूर लें।

तेजी से बढ़ रही युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध है। यह प्रवृत्ति शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूरस्थ गांवों और कस्बों तक पांव पसार चुकी है।

सबसे चिंता की बात यह है कि यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। वैसे यह समस्या भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अनेक देशों में भी नशीली दवाओं की तस्करी खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है, लेकिन 36 वर्षों से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने की बजाय यह समस्या दुनिया भर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का धंधा अब देश के नामी-गिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की गंध में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं।

राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग छूट प्राप्त अड्डों' में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए नशे की संस्कृति स्टेटस सिंबल' और मॉडर्निटी' का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं, और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं। इस भयावह स्थिति को बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। सूचना क्रांति का यह माध्यम नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का प्लेटफॉर्म बन गया है।

भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है, और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में स्थिति यह है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, जो किसी संगठित गिरोह की गतिविधि से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है-साथियों के दबाव, मॉडर्न दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं।

नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं-भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता है और ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका अस्तित्व इन पर निर्भर हो जाता है।

समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत तो यह है कि नशे की गिरफ्त में व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच-विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय-क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्य में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया-प्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है।

देश में नशे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि भारत नशे का उपभोक्ता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी के नक्शे पर प्रमुख ट्रांजिट रूट' भी बन चुका है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान और चीन जैसे देशों से होते हुए भारत के रास्ते मादक पदार्थ पश्चिमी बाजारों तक पहुंचते हैं। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत की भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए सबसे सुगम मार्ग है।

यह व्यापार अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का 15 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। भारत में इस पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स एक्ट जैसे कठोर कानून मौजूद हैं, लेकिन अपराधी अक्सर इन कानूनों की कमियों का लाभ उठा कर बच निकलते हैं। हमें स्वीकार करना होगा कि नशा अब व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। इस आपदा से लड़ने का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प। यही वह क्षण है, जब हमें यह प्रण लेना होगा कि हम नशे के हर रूप, हर स्रोत और हर समर्थन के खिलाफ खड़े होंगे, बिना डरे, बिना रुके।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है कैस्टर आयल

अरंडी के तेल या कैस्टर आयल को तैलीय माना जाता है। हालांकि, एक समय में, कैस्टर आयल ब्यूटी रूटीन का एक अहम हिस्सा था। एक बार सिर पर कैस्टर आयल लगाने के बाद, यह एक हफ्ते तक ऐसे ही रहता है। लोग इस तैलीयपन से छुटकारा पाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल करते थे। हालांकि, समय के साथ, दिन बदले हैं और ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बदल गए हैं। कैस्टर आयल की जगह दूसरे हल्के तेलों का इस्तेमाल होने लगा है। हालांकि, अब फिर से, ब्यूटीशियन और त्वचा विशेषज्ञों ने अरंडी के तेल के बेहतरीन गुणों के बारे में जागरूकता पैदा की है और इसका इस्तेमाल फिर से शुरू हो गया है।

कुछ लोग ब्यूटी पर बहुत खर्च करते हैं जबकि कुछ लोग कम कीमत में कुछ प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके अच्छे परिणाम देखना चाहते हैं। ऐसे लोगों के लिए कैस्टर आयल सबसे अच्छा उपाय है। प्रसिद्ध योग गुरु डा. हंसा योगेंद्र के अनुसार, कैस्टर आयल का इस्तेमाल करने से न केवल बालों के लिए बल्कि त्वचा के लिए भी कई फायदे हैं। ऐसा कहा जाता है कि अगर कैस्टर आयल का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह चेहरे पर मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है। आइए जानें इसके लिए कैस्टर आयल का इस्तेमाल कैसे करें।

स्किन प्रोब्लेम्स- ड्राई स्किन, मुंहासे, कम उम्र में झुर्रियां और बेजान त्वचा जैसी कई त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं। इन सबकी सही देखभाल के लिए माइस्चराइजर, सनस्क्रीन और फेस वाश पर हजारों रुपये खर्च किए जाते हैं। लेकिन, इसके अलावा, कुछ प्राकृतिक तत्व भी हैं। इनके इस्तेमाल से त्वचा की समस्याओं को भी कम किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले आपको तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी खान-पान जैसी चीजों से बचना चाहिए जो त्वचा की समस्याओं का कारण बनती हैं। अगर आप इनसे बचेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं कम होने में मदद मिलेगी। महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की बजाय प्राकृतिक उत्पादों पर ध्यान दें। अरंडी का तेल इन्हीं में से एक है। अरंडी का तेल तैलीय होता है। लेकिन, अगर आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे, तो त्वचा की ज्यादातर समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूखी त्वचा- अरंडी के तेल में पर्याप्त मात्रा में फैटी एसिड होते हैं। यह त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए सबसे अच्छा है। यह त्वचा को माइस्चराइजर रखता है। इसके अलावा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मुलायम बनाता है। अक्सर कुछ लोगों की त्वचा रूखी होती है। अगर ऐसे लोग अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें, तो कोई समस्या नहीं होगी। हालांकि, हम जो अरंडी का तेल इस्तेमाल करते हैं, वह भी प्राकृतिक होना चाहिए।

मुंहासे कम करने के लिए- कुछ शोधों के अनुसार, अरंडी का तेल लगाने से बैक्टीरिया और सूजन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसे सीधे त्वचा पर लगाने से मुंहासे की समस्या कम हो सकती है। हालांकि, इसे लगाने से पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि यह तेल आपके लिए फायदेमंद है या नहीं। इसके लिए पैच टेस्ट जरूर करें।

फाइनलाइन्स- अरंडी का तेल एंटीआक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे त्वचा पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं। यह आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। झुर्रियों का मुख्य कारण रूखी त्वचा है। अरंडी का तेल इस समस्या को नियंत्रित करता है। रूखापन कम होता है। इसलिए झुर्रियां अपने आप नहीं आतीं।

त्वचा का रंग निखारें- अरंडी का तेल लगाने से त्वचा में निखार आता है। यह काले धब्बे और पिगमेंटेशन कम करता है। यह तेल कोलेजन बढ़ाता है। यह त्वचा की लचीलापन भी बढ़ाता है। इसलिए, त्वचा पर अरंडी का तेल लगाना अच्छा होता है। लेकिन इसका इस्तेमाल कैसे करें, यह जान लें।

सीरम की तरह

1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच गुलाब का तेल और 2 बूंदें लैवेंडर तेल मिलाएं। इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और अच्छी तरह हिलाएं। बस, एक अच्छा सीरम तैयार है। इसे रात में अपने चेहरे पर लगाएं अगली सुबह आपका चेहरा चमक उठेगा।

फेस पैक

1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच सेब का सिरका और 2 बूंदें टी ट्री आयल मिलाएं। इन सबका पेस्ट बना लें। इस तरह से तैयार फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर साफ कर लें।

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

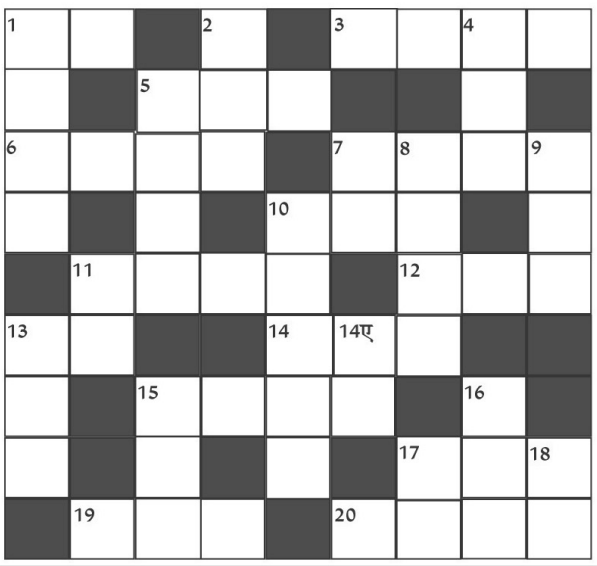

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

राम पोथिनेनी की फिल्म आंध्रा किंग तालुका 28 नवंबर को रिलीज होगी

साउथ इंडियन स्टार राम पोथिनेनी की अपकमिंग फिल्म आंध्रा किंग तालुका रिलीज होने को तैयार है। महेश बाबू पी द्वारा निर्देशित आंध्रा किंग तालुका 28 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले इसका पहला गाना नुव्वुंते चले रिलीज किया गया था, जिसमें राम और भाग्यश्री रोमांस करते नजर आ रहे थे। अनिरुद्ध रविचंदर ने इसे अपनी आवाज दी है, तो राम पोथिनेनी ने खुद इसके लिरिक्स लिखे हैं। खास बात यह है कि राम ने इस फिल्म से बतौर गीतकार डेब्यू किया है। इस गाने को म्यूजिक डायरेक्टर जोड़ी विवेक और मर्विन ने बड़ी खूबसूरती से तैयार किया है। नुव्वुंते चले गाने ने राम पोथिनेनी के लिए एक नई पहचान बनाई है, जहां वह सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि एक अच्छे गीतकार भी साबित हो रहे हैं। गाना हर किसी के दिल में अपनी जगह बना रहा है। गाने को कई विदेशी लोकेशन्स पर शूट किया गया है। गाने की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा रात के समय शूट हुआ है, जिससे गाने में रोमांटिक माहौल तैयार हुआ है। फिल्म का प्रोमो भी रिलीज कर दिया गया है। प्रोमो में दिखाया गया है कि राम एक सुपरस्टार के बहुत बड़े फैन होते हैं। वहीं, सुपरस्टार का किरदार काड़ अभिनेता और फिल्म मेकर उपेंद्र निभा रहे हैं। उपेंद्र फिल्म में सूर्या कुमार नाम के किरदार में दिखेंगे। राम पोथिनेनी के किरदार का नाम सागर है। फिल्म में राम और भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में राव रमेश, मुरली शर्मा, सत्य, राहुल रामकृष्ण और वीटीवी गणेश जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। महेश बाबू के निर्देशन में बनी फिल्म को निर्माता रवि शंकर और नवीन यरनेनी ने मिलकर बनाया है। उनकी प्रोडक्शन कंपनी मिथ्री मूवी मेकर्स है, जो टी-सीरीज के साथ मिलकर फिल्म बना रही है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के नए होली सॉन्ग पनवाड़ी रिलीज

जान्हवी कपूर और वरुण धवन की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी दशहरा के अवसर पर 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने फिल्म के गाने पवाड़ी की एक खास झलक का मोशन पोस्टर शेयर किया है। जिसमें होली के रंग नजर आ रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शन ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म के नए गाने पनवाड़ी की खास झलक शेयर की। इस मोशन पोस्टर में जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित श्रॉफ और वरुण धवन होली के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। इस शानदार मोशन पोस्टर के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, इस त्यौहारी सीजन में, हम आपके लिए रंगों से सराबोर कुछ मजेदार चीजें लेकर आ रहे हैं। पनवाड़ी गाना 10 सितंबर को रिलीज किया गया। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और मेंटर डिसाइपल फिल्म ने मिलकर किया है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी इस दशहरा 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बैटल ऑफ गलवान में फौजी लुक में दिखे भाईजान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें वह बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्हें आर्मी की वर्दी पहने हुए देखा जा सकता है। उनके कंधे पर लाल और पीले रंग की रैंक पट्टी लगी हुई है, जो यह बताती है कि वह किसी सैन्य अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। तस्वीर में क्लैपबोर्ड भी नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान लिखा है। बता दें कि इस फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो साल 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुए असल संघर्ष को पर्दे पर लेकर आएगी। बैटल ऑफ गलवान का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं।

इस फिल्म में सलमान खान के अलावा, बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं, जेन शॉ, अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, हीरा सोहल और विपिन भारद्वाज समेत कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन फैंस में सलमान की इस नई फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। इसका अंदाजा उनके पोस्ट में आए कमेंट्स के जरिए लगाया जा सकता है। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा, वाह, सलमान सर, अब दुश्मनों को आपसे कोई नहीं बचा सकता। दूसरे फैन ने लिखा, अब बॉक्स ऑफिस पर गदर मचने वाला है। कई फैंस ने दिल और तिरंगे के इमोजी भी कमेंट्स सेक्शन में भेजे।

आफ शोल्डर ड्रेस में निधि झा सुर्खियों में

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा निधि झा एक बार फिर अपने अंदाज और फैशन सेंस से सुर्खियों में हैं। अपने अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाने वाली निधि झा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी हर पोस्ट को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं।

इंस्टाग्राम पर उनके 15 लाख फालोवर हैं। शनिवार को उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका जबरदस्त लुक देखने को मिल रहा है। इस फोटो पर उनका कैप्शन भी फैंस का ध्यान खींच रहा है।

इस तस्वीर में निधि झा एक गोल्डन कलर की आफ-शोल्डर वाली लान्ग ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जो उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को खुला रखा है, जो एक तरफ से चेहरे पर गिर रहे हैं, जिसमें वह और भी ग्लैमरस दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने स्टाइलिश सनग्लासेस कैरी किया है और होंठों पर रेड शेड की लिपस्टिक उनके पूरे लुक को और निखार रही है।

उन्होंने इस तस्वीर पर मिर्च और हार्ट वाले इमोजी के साथ कैप्शन लिखा, सर्टिफाइड स्पाइस, हैंडल विथ केयर। कैप्शन में उनका आत्मविश्वास और बोल्ड अंदाज दिखाई दे रहा है।

इस पोस्ट पर उनके चाहने वाले जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा होगा, आप तो सच में तीखी हैं, स्क्रीन पर भी और रियल लाइफ में भी!

दूसरे ने लिखा, इतनी खूबसूरत लग रही हो कि नजरें हटाना मुश्किल है।

एक अन्य ने लिखा, लूलिया जी, आप तो हर बार स्टाइल से खेल जाती हैं! वहीं कुछ फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के जरिए उनकी तारीफ की।

निधि झा को उनके फैंस लूलिया गर्ल के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने पावर स्टार पवन सिंह के गाने लूलिया का मांगेले में जबरदस्त परफार्म किया था, जिसके बाद से दर्शकों ने उन्हें लूलिया गर्ल का टैग दे दिया।

निधि झा ने गदर, जिद्दी, कसम पैदा करने वाले की, स्वर्ग, सत्या समेत कई भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा निधि क्राइम पेट्रोल और बालिका वधु समेत कई टीवी शो में भी काम चुकी हैं।

चालबाज के रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकती हैं जाह्नवी कपूर

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर इन दिनों फिल्म परम सुंदरी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। 29 अगस्त को रिलीज हुई उनकी यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आने वाले समय में जाह्नवी एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी और अब उनके खाते एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। खबर है कि जाह्नवी अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी की फिल्म चालबाज (1989) के रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 1989 में आई श्रीदेवी की चालबाज को काफी पसंद किया गया था और अब 36 साल बाद इसका रीमेक बन रहा है। चालबाज के रीमेक में जाह्नवी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि एक बड़े फिल्म निर्माता ने जाह्नवी को चालबाज के आधिकारिक रीमेक का प्रस्ताव दिया है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। फिलहाल निर्माता और निर्देशक के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है।

जाह्नवी जल्द ही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखेंगी, जिसमें उनकी जोड़ी वरुण धवन के साथ बनी है। फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा जाह्नवी के पास फिल्म पेड्डी भी है। इसमें जाह्नवी की जोड़ी राम चरण के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही यह फिल्म 27 मार्च, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी।

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुन: पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा।

प्रश्न: भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा?

उत्तर: अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तर पर स्वी कार किया गया है। अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं। गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा। यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुन:पुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ-साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे।

प्रश्न: शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

उत्तर: अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं। हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं। अंतरिक्ष में, शारीरिक और मानसिक अनुकूलनशीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है। उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही। अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं।

प्रश्न:क्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तर:जी बिल्कुल। अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है। 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरे?द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे । वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यत: उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त होना है। लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी। वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं। भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्य।

प्रश्न: क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा?

उत्तर:भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र का भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए, 2035 एक युगांतकारी वर्ष होगा... उसके पाँच साल बाद, भारत का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर मानव सहित मिशन भेजना है।

प्रश्न: भारत सेमीकंडक्टर और एआई तकनीकों में प्रगति कर रहा है, ऐसे में सरकार भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को अंतरिक्ष-स्तरीय आवश्यकताओं के साथ कैसे जोड़ रही है?

उत्तर:सेमीकंडक्टरों के व्यापक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल हैं। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी के घने या दुर्गम क्षेत्रों में, बल्कि लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। ये तकनीकें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी भविष्य की परियोजनाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होंगी।

प्रश्न: चंद्रमा या मंगल मिशन के दौरान आप भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को किस प्रकार के प्रयोग करते देखना चाहेंगे?

उत्तर:हाल के मिशन में, प्रयोगों को सात श्रेणियों में बांटा गया था। जीवन विज्ञान विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। उदाहरण के लिए, मायोजेनेसिस-सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन-का अध्ययन कैंसर, मधुमेह या यहाँ तक कि पृथ्वी पर फ्रैक्चर से उबरने जैसी स्थितियों के लिए सीधे तौर पर प्रासंगिक है। एक अन्य समूह ने लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने के संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन किया, जो आज के डिजिटल युग में अत्यधिक प्रासंगिक है। हमने सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मेथी जैसे पौधे उगाने का भी प्रयोग किया, जो पुनर्योजी जीव विज्ञान और आनुवंशिक अनुप्रयोगों से संबंधित अनुसंधान में सहायक हो सकता है।

मुख्य बात यह है कि अंतरिक्ष प्रयोग केवल कक्षा में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी पर लोगों के लिए भी लाभकारी हैं और विश्वगुरु भारत के विचार को आगे बढ़ाते हैं।

प्रश्न: स्पैडेक्स के बाद, भारत वैश्विक ग्राहकों के लिए अंतरिक्ष डॉकिंग और उपग्रह सेवा का मुद्रीकरण कब शुरू करेगा?

उत्तर:हमने स्पैडेक्स के माध्यम से डॉकिंग और अनडॉकिंग का अनुभव प्राप्त करना शुरू कर दिया है। आगामी चंद्रयान-4 मिशन, जो 2028 के आसपास अपेक्षित है, में जटिल डॉकिंग और अनडॉकिंग प्रक्रियाएँ करने वाले कई मॉड्यूल शामिल होंगे। इससे हमें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त होगी। अंतरिक्ष पर्यटन व्यवहार्य होते ही, डॉकिंग तकनीक यात्री सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। समय के साथ, भारत द्वारा वैश्विक ग्राहकों के लिए डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के साथ ही मुद्रीकरण भी होगा।

प्रश्न: भारत सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। ऐसे सहयोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

उत्तर:सुरक्षा उपाय पहले से ही मौजूद हैं। हमने इन-स्पेतस (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र) बनाया है, जो अंतरिक्ष में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को नियंत्रित करता है। यह सुरक्षा संबंधी सरोकारों का पूरी तरह ध्यान में रखना सुनिश्चित करते हुए सहयोग के पैमाने और प्रकृति का निर्धारण करता है। साथ ही, हमने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया है। विनियमन और खुलेपन का यह संतुलन राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना नवाचार को संभव बनाता है।

प्रश्न: 1,000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंज़ूरी मिल गई है, लेकिन पिछले साल अंतरिक्ष-तकनीक फंडिंग में कमी आई। यह कोष स्टार्टअप्स को कैसे सहायता देगा?

उत्तर:कुछ साल पहले तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप्स का होना लगभग असामान्य था। आज, हमारे पास लगभग 400 स्टार्टअप हैं, जिनमें से कुछ पहले ही सफल उद्यमी बन चुके हैं। स्टार्टअप केवल रॉकेट लॉन्च करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये मैपिंग, स्मार्ट सिटी, कृषि, टेलीमेडिसिन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी फैले हुए हैं।

इस कोष का उद्देश्य उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अंतरिक्ष अचानक करियर का एक आकर्षक विकल्प बन गया है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, जो कभी एक विशिष्ट क्षेत्र हुआ करता था, अब आईआईटी में सबसे अधिक मांग वाली शाखाओं में से एक है। यह बदलाव अपने आप में इस क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाता है।

प्रश्न: भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार का 8 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपग्रह प्रक्षेपणों के अलावा, कौन सी तकनीकें भारत को स्पेसएक्स और चीन से मुकाबला करने में मदद करेंगी?

उत्तर:ज्यादा ध्यान रॉकेट और प्रक्षेपणों पर है, लेकिन लगभग आधे अंतरिक्ष अनुप्रयोग पृथ्वी पर ही हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कृषि, बुनियादी ढाँचे और यहाँ तक कि युद्ध में भी एकीकृत है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना का ही उदाहरण लें; यह समय, धन और कागजी कार्रवाई बचाने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करती है, जिससे आर्थिक विकास में सीधा योगदान मिलता है। इसी तरह, अंतरिक्ष इनपुट किसानों को बुवाई और फसल उगाने का समय तय करने में मदद करते हैं। ये बचत धन सृजन जितनी ही मूल्यवान है।

प्रश्न/ क्या आप केवल वायु सेना के पायलटों को ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी भारत के अंतरिक्ष यात्री समूह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे?

उत्तर:बिल्कुल। फ़िलहाल, वायु सेना के पायलट हाई एल्टीट्यूड जेट विमानों में प्रशिक्षण के कारण बेहतर रूप से तैयार हैं, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। भविष्य में, हमारे अंतरिक्ष यात्री समूह का विस्तार होगा और इसमें आम नागरिक, महिलाएँ, जैव-प्रौद्योगिकीविद, अंतरिक्ष चिकित्सक और यहाँ तक कि मीडिया पेशेवर भी शामिल होंगे ताकि मिशनों को वास्तविक समय में रिकॉर्ड किया जा सके। जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, भारत को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के एक बड़े और अधिक वैविध्यापूर्ण समूह की आवश्यकता होगी।

सू- दोकू क्र.90

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

पुराना प्रेशर कुकर बदलने का सही समय कब है? इन संकेतों से लगाएं पता

प्रेशर कुकर एक जरूरी रसोई उपकरण है, जो खाना पकाने में मदद करता है। हालांकि, समय के साथ इसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। कई लोग यह नहीं समझ पाते कि उन्हें अपना पुराना प्रेशर कुकर कब बदलना चाहिए। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत देंगे, जो बताने में मदद करेंगे कि कब आपको अपना पुराना प्रेशर कुकर बदल लेना चाहिए ताकि खाना पकाने का अनुभव सुरक्षित और प्रभावी बना रहे।

अगर ढक्कन ठीक से बंद न हो रहा हो

अगर आपका प्रेशर कुकर का ढक्कन ठीक से बंद नहीं हो रहा है तो इसे तुरंत बदल देना चाहिए। ढक्कन का सही तरीके से बंद न होना आपके लिए खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे भाप बाहर निकल सकती है और जलन या चोट का कारण बन सकती है। नए प्रेशर कुकर में हमेशा यह सुनिश्चित करें कि ढक्कन पूरी तरह से सील हो ताकि खाना सुरक्षित तरीके से पक सके।

अगर सीलिंग रिंग खराब हो गई हो

सीलिंग रिंग प्रेशर कुकर के जरूरी हिस्सों में से एक होती है। अगर यह खराब हो जाती है या इसमें कोई दरार आ जाती है तो इसे तुरंत बदल देना चाहिए। यह रिंग भाप को अंदर ही रखती है और खाना अच्छे से पकाने में मदद करती है। खराब रिंग से भाप बाहर निकल सकती है, जिससे जलन या चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए समय-समय पर इसे चेक करते रहना जरूरी है।

अगर प्रेशर रिलीज वेंट ब्लॉक हो जाएं

प्रेशर रिलीज वेंट ब्लॉक प्रेशर कुकर में अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करने में मदद करता है। अगर यह ब्लॉक खराब हो जाता है या कहीं से टूट जाता है तो तुरंत नया प्रेशर कुकर खरीद लेना चाहिए।

खराब वेंट ब्लॉक से खाना पकाने में दिक्कत हो सकती है और यह आपके लिए खतरनाक भी हो सकता है। नए प्रेशर कुकर में हमेशा इस हिस्से की गुणवत्ता पर ध्यान दें ताकि खाना सुरक्षित तरीके से पक सके।

अगर बॉटम पैन जल जाए

अगर बॉटम पैन जल जाए तो इसे बदल लेना चाहिए। जले हुए बॉटम पैन से खाना पकाने का स्वाद बदल सकता है और यह सेहत के लिए भी हानिकारक हो सकता है।

जले हुए बॉटम पैन से खाना पकाने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। इसलिए अगर आपका बॉटम पैन जल जाए तो नया बॉटम पैन खरीद लें ताकि खाना पकाने का अनुभव सुरक्षित और अच्छा बना रहे। (आरएनएस)

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दो घायल, एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दो गम्भीर रूप से घायल हो गये जबकि एक की मौत हो गयी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वालापुर हरिद्वार निवासी सुरेन्द्र सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पुत्र के साथ लालतप्पड के पास खडे थे तभी अज्ञात वाहन ने वहां पर तेजी गति से आते हुए सडक किनारे खडे श्यामपुर निवासी चांद, रायवाला निवासी अमित व उसके पुत्र गोपी सिंह को टक्कर मार दी जिनको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसके पुत्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मारपीट में मां बेटे सहित पांच पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मां बेटे सहित पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनगढ निवासी रहनुमा ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह ढकरानी निवासी आसिफ के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिनों बाद से ही उसके पति उसकी मां प्रवीन बहन ससुर शहजाद व उनकी बेटी निशु व बेबी उसको दहेज के लिए प्रताडित करने लगे और आये दिन उसके साथ गाली गलौच मारपीट करते थे। जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो उन्होंने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोबाइल टावर से केबिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मोबाइल टावर से केबिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायल कमाण्ड प्रोटेक्शन ग्रुप के नरेश सिंह ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि हिम पैलेस में उनकी कम्पनी का मोबाइल टावर लगा हुआ है। आज जब वह टावर पर पहुंचा तो उसने देखा कि वहां से बीस मीटर केबिल गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने तिलक रोड के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल जाटव पुत्र छोटेलाल निवासी गोविन्द नगर झुग्गी झोपडी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लापता लोगों की खोज के लिए पूरी..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

गांव में घटी है। यहां अतिवृष्टि से 02 व्यक्तियों के लापता 02 भवनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। घटना स्थल पर स्थानीय पुलिस, डीडीआरएफ, एवं राजस्व की टीम द्वारा खोज एवं बचाव का कार्य किया जा रहा है। लगभग 100 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। घटना स्थल पर तुरन्त प्रभाव से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं आई.टी.बी.पी. गौचर 8वीं वाहिनी की टीमों को बचाव कार्य हेतु भेजा गया है। भारी वर्षा एवं मार्गों में जगह-जगह भूस्खलन होने के कारण रैस्क्यू टीमों को घटना स्थल पर पहुंचने में विलंब हो रहा है। वहीं ग्राम-धुर्मा में अतिवृष्टि से मोक्ष नदी का जलस्तर बढ़ने से 02 व्यक्तियों के लापता होने तथा 8-10 भवनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं आई.टी.बी.पी. गौचर 8वीं वाहिनी, राजस्व एवं डीडीआरएफ की टीमों को बचाव कार्य हेतु भेजा गया है। भारी वर्षा एवं मार्गों में जगह-जगह भूस्खलन होने के कारण रैस्क्यू टीमों को घटनास्थल पर पहुंचने में विलंब हो रहा है। एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीम पैदल मार्ग से मौके पर पहुंचने वाली हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही सुबह ही सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, जेसीईओ मोहम्मद ओबेदुल्लाह अंसारी तथा यूएसडीएमए के विशेषज्ञ राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे। कंट्रोल रूम से राहत और बचाव दलों को तुरंत एक्टिवेट करते हुए घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से खोज एवं बचाव अभियान पर निगरानी रखी जा रही है।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में ग्राउंड जीरो पर डटे हैं डीएम बंसल

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि आपदा की दुःखद घडी में देहरादून प्रशासन हरदम प्रभाविता लोगों के साथ खडा है। डीएम के निर्देश पर रात दिन क्यूआरटी टीमें फील्ड में तैनात हैं।

मालदेवता क्षेत्र के किसनपुरी बांडावाली में नदी का रुख मोड़ कर अनधिकृत तरीके से बडा रिजाल्ड बनाने वाले रिजाल्ट मालिक के खिलाफ जिला प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसनपुर बांडावाली में नदी का रूख मोड रिजाल्ट निर्माण से यहां पर करीब 150 मीटर सड़क मार्ग पूरी तरह से वासआउट हुआ है। जिससे यहां पर 06 करोड़ से अधिक की सरकारी सर्पत्ति का नुकसान हुआ है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने निरीक्षण के दौरान सख्त रूख इखतियार करते हुए नदी किनारे अनाधिकृत एप्रोच और रिजाल्ट निर्माण की उच्च स्तरी जांच की संस्तुति कर दी है। देहरादून में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के बाद अब जिला प्रशासन आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी एवं अन्य जरूरी सुविधाओं को बहाल करने में जुटा है। इसको लेकर जिलाधिकारी सविन बंसल एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बुधवार को अपराह्न देर शाम तक मालदेवता, द्वारा पुल, खैरी ध नौला, किसनपुर बांडावाली और मसूरी रोड पर कोठालगेट के समीप क्षतिग्रस्त सड़क एवं मोटर पुलों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़क एवं पुलों की एप्रोच ठीक कराते हुए आवगमन शीघ्र सुचारू कराने के निर्देश दिए। अतिवृष्टि के कारण कुमाल्डा, द्वारा झूला पुल की एप्रोच धस गई थी। यहां पर खेल मैदान भी पूरी तरह से वॉसआउट हुआ है। लोनिवि द्वारा यहां पर एप्रोच ठीक कर यातायात सुचारू कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने नदी को चौनलाइज करने के बाद वयारक्रेट कर पुल की एप्रोच को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। वही जिलाधिकारी ने

❑डीएम ने क्षतिग्रस्त सड़क एवं पुलों का किया निरीक्षण
❑लोनिवि को जल्द यातायात सुचारु करने के दिए निर्देश

मालदेवता मोटर मार्ग पर किसनपुर बांडावाली में सड़क के 150 मीटर वॉसआउट पोर्सन का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां पर अनधिकृत एप्रोच बनाकर नदी का रूख पलटने और रिजाल्ट निर्माण के कारण सरकारी सर्पत्ति को करीब 06 करोड़ का नुकसान पहुंचा है। जिलाधिकारी ने इस पर सख्त रूख इख्तियार करते हुए नदी का रूख पटलकर अनधिकृत एप्रोच एवं रिजाल्ट निर्माण के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराने की संस्तुति कर दी है। साथ ही जिलाधिकारी ने लोनिवि को यहां पर नदी को चौनलाइज करते हुए शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश भी दिए है। मालदेवता केशरवाला में वॉसआउट मोटर मार्ग का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने वायरक्रेट लगाकर शीघ्र रास्ता चालू करने और नदी को चौनलाइज करते हुए सड़क के वॉसआउट पोर्सन ठीक करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने देहरादून मसूरी मोटर मार्ग पर कोठालगेट के समीप क्षतिग्रस्त पुल एवं यहां पर वैली ब्रिज निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण भी किया। कोठालगेट के समीप मोटर पुल क्षतिग्रस्त होने से मसूरी क्षेत्र का संपर्क कट गया था। जिलाधिकारी ने पहले दिन से ही यहां पर एसडीएम और लोनिवि के सक्षम अधिकारी के तैनाती करते हुए युद्धस्तर पर वैली ब्रिज निर्माण के निर्देश जारी किए थे। डीएम रेग्यूलर इसकी मॉनिटरिंग भी कर रहे थे।

जिलाधिकारी के प्रयासों से यहां पर अल्प समय में वैली ब्रिज निर्माण कर आवागमन को सुचारू कर मसूरी क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत दी है। वैली ब्रिज से फिलहाल हल्के वाहनों की आवाजाही सुचारू कर दी गई है।

छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने रखा दो मिनट का मौन

संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ चुनाव कराने जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखा।

आज यहां पिछले वर्ष की भांति इस बार भी एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि और उच्च शिक्षा विभाग के विवाद के कारण देहरादून के प्रतिष्ठित डीएवी सहित डीबीएस, एमकेपी व एसजीआरआर कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में अनिश्चितता की तलवार लटक रही है। सरकार चाहती ही नहीं है कि छात्र संघ चुनाव कराये जायें। सरकार के इस कृत्य के खिलाफ आज शहीद स्थल पर दो मिनट का मौन रख कर विरोध दर्ज किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, श्रीमति गोदावरी थापली, सुरेंद्र अग्रवाल, सुशील राठी, श्रीमति गरिमा दसौनी सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसजन रहे मौजूद।

नवरात्रि में मांस की दुकानें बंद रखने की मांग को लेकर भैरव सेना का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। नवरात्रि में मांस की दुकानें बंद रखने की मांग को लेकर भैरव सेना ने प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

आज भैरव सेना संगठन के द्वारा नौ दिवसीय नवरात्रे के पावन पर्व के दौरान मांस की समस्त दुकानें बंद रखने के संबंध में नगर आयुक्त देहरादून को प्रदेश संगठन मंत्री करण शर्मा के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन प्रेषित करने में उपस्थित संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने बताया कि नवरात्रि हिंदुओं का सनातनी आस्था से ओत-प्रोत पवित्र हिन्दू पर्व है, तथा इस दौरान कई सनातनी भक्तगण पूर्ण आस्था के साथ उपवास रखते हैं या पूर्ण सात्विक जीवन जीते हैं। ऐसे में मांस की दुकानों का खुला रहना हिन्दूओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है और आस्था पर विपरीत प्रभाव डालता है। इसलिए मांस कटान और मांस परोसने वाले सभी प्रतिष्ठान बंद रहने आवश्यक हैं।

केंद्रीय मंत्री संजय पंवार के अनुसार हिन्दूओं के धार्मिक और पवित्र त्योहार के महत्व को ध्यान में रखते हुए नगर निगम प्रशासन को इस गंभीर विषय में हस्तक्षेप कर नवरात्रि के नौ दिवसीय पर्व के दौरान पूर्व की भांति मांस की समस्त दुकानों को बंद करने का आदेश करना चाहिए। खासतौर से मंदिरों के 200 मीटर के दायरे में। केंद्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता थापा ने कहा कि हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास हैं कि नगर निगम प्रशासन हमारी धार्मिक भावना को ध्यान में रखते आवश्यक कार्यवाही करेंगे। ज्ञापन प्रेषित करने के दौरान भैरव सेना के उपरोक्त पदाधिकारीयों के अलावा प्रदेश सचिव संजीव टांक, जिला प्रभारी अमरजीत सिंह, महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलम राणा, विमल थापा, राकेश चौहान सहित दर्जन भर कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया आपदा प्रभावित मसूरी रोड एवं किमाड़ी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को राज्य आपदा परिचालन केंद्र से प्रदेशभर में हुई अतिवृष्टि की समीक्षा करने के बाद मसूरी रोड एवं किमाड़ी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। राहत कार्यों के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य सड़कों की शीघ्र मरम्मत करते हुए यातायात सामान्य बनाया जाए तथा आवश्यकतानुसार लोगों के आवागमन हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन को शीघ्र सामान्य करने के लिए सभी संबंधित विभाग युद्धस्तर पर कार्य करें। सभी प्रभावित परिवारों को आपदा मानकों के अनुसार त्वरित आर्थिक सहायता एवं मूलभूत सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएं। निरंतर हो रही वर्षा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में आवागमन अवरुद्ध हुआ है, वहाँ प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक मार्ग एवं राहत शिविर स्थापित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपदा की इस घड़ी में पूरी संवेदनशीलता के साथ आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है और प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए सभी संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रोहिल्ला, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, एसएसपी अजय सिंह और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

कोर्ट परिसर में करना चाहते थे हत्या, 4 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के मामले में पीड़ित पक्ष को कोर्ट परिसर में ही मारने आये चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक पिस्टल व एक तमंचे सहित कई राउंड गोलियां भी बरामद की गयी है। हालांकि इस मामले में एक आरोपी फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल को कुछ हथियारबंद संदिग्धों के वारदात के फिराक में होने की सूचना के आधार पर कोतवाली गंगनहर एवं सीआईयू की संयुक्त पुलिस टीम ने

पिस्टल, तमंचा व कई गोलियां बरामद, एक आरोपी फरार

रामनगर कोर्ट रूडकी परिसर में छापा मारते हुए तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने मौके से 3 संदिग्धों को दबोचकर उनके कब्जे से 1 देशी पिस्टल .32 बोर, 4 जिन्दा कारतूस .32 बोर व 05 कारतूस 315 बोर बरामद किए। मौके से फरार हुए 2 संदिग्धों का पीछा करते हुये पुलिस ने उनमें से एक को माधोपुर अण्डर पास से तंमचे व 2 जिन्दा कारतूस के साथ पकड़ लिया। हालांकि मामले में एक आरोपी फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मनीकान्त शर्मा पुत्र श्यामसुन्दर शर्मा निवासी ग्राम फिटकरी मवाना थाना इंचौली जनपद मेरठ, हर्षदीप मलिक पुत्र राजकुमार निवासी राहवती थाना बहसूमा जिला मेरठ, राजकुमार पुत्र कालू राम सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट राहवती थाना बहसूमा जिला मेरठ व अनुज पुत्र रणवीर सिंह निवासी ग्राम झिझाडपुर थाना फलावदा जनपद मेरठ बताया। पूछताछ करने पर सामने आया कि ये सभी थाना कनखल पर दर्ज मुकदमें के पीड़ित पक्ष के गवाह को मारने कचहरी परिसर में आये थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

हॉकी से मारपीट करने वाले दूसरे युवक को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

❑युवकों के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल

संवाददाता

देहरादून। हॉकी से युवकों की मारपीट करने वाले दूसरे युवक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो, जिसमें 02 व्यक्ति दो युवकों को हॉकी तथा लातों से मारते हुए दिखाई दे रहे है, उक्त वायरल वीडियो को संज्ञान लेते हुए एसएसपी अजय सिंह द्वारा तत्काल वीडियो में दिख रहे व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिस पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए युवकों के साथ मारपीट करने वाले युवराज को गत दिवस गिरफ्तार किया गया था। घटना के संबंध में पीड़ित पक्ष की ओर से दी गयी तहरीर के आधार पर दोनो आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी अमन घटना के बाद से ही फरार चल रहा था, जिसकी तलाश हेतु पुलिस द्वारा लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिशें दी जा रही थी। पुलिस द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों से आज पुलिस टीम द्वारा अमन को लक्ष्मणपुर विकास नगर से गिरफ्तार किया गया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घर से खाना खाकर रात निकले युवक का शव पेड़ से लटका मिला। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

जानकारी के अनुसार आकाश पुत्र मनु राम निवासी ग्राम मन्ना खेड़ी रात 10 बजे खाना खाने के बाद घर से निकला था। पूरी रात युवक घर नहीं लौटा तो परिजन भी उसकी तलाश में जुटे थे। आज सुबह खेत में गए गांव के एक व्यक्ति ने एक पेड़ पर आकाश का शव लटका हुआ देखा। इसके बाद उसने आकाश के परिजनों को सूचना दी सूचना मिलने के बाद ग्रामीण व परिजन मौके

❑परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू की और उसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार शव पर कुछ चोट के निशान भी है। उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। वहीं कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या लग रही है बाकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगा।

शिक्षक पर लगा छेड़छाड़ का आरोप, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। कम्प्यूटर सिखाने के बहाने छात्रा से छेड़छाड़ करने के आरोपी शिक्षक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला अगस्त्यमुनि थाना क्षेत्र का है। यहां सरकारी स्कूल के एक मास्टर पर छात्रा से अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। इस घटना के बाद छात्र-छात्राओं समेत स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपी मास्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उधर, मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि अगस्त्यमुनि थाना क्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर डिग्री कॉलेज में अध्यनरत 21 वर्षीया

छात्रा ने अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। मामले में अगस्त्यमुनि थानाध्यक्ष महेश रावत ने बताया कि पीड़ित युवती की ओर से मंगलवार शाम को पुलिस में एक तहरीर दी गई है। तहरीर में आरोप लगाया गया कि सरकारी स्कूल के शिक्षक ने उसे कंप्यूटर सिखाने के बहाने विद्यालय में बुलाया, जब वो विद्यालय पहुंची तो शिक्षक नशे की हालत में था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि शिक्षक ने पहले उसे कंप्यूटर पर बैठाया और फिर बार-बार अपने पास बैठने का दबाव बनाया। आरोप है कि शिक्षक ने मौका पाकर उसके साथ गलत तरीके से छेड़छाड़ की। साथ ही उसका बैग और मोबाइल अपने पास रख लिया। जिसका पीड़िता ने विरोध किया और खुद को बचाकर वहां से बाहर निकल आई।

बाहर आने के बाद पीड़िता ने लोगों को आपबीती बताई। जिस पर लोगों का आक्रोश फैल गया। इस बीच बजरंग दल से जुड़े लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद वो अगस्त्यमुनि थाना पहुंचे और आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। साथ ही आरोपी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

हरिद्वार-टिहरी में तेज बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त

संवाददाता

देहरादून। मौसम विभाग के अनुसार हरिद्वार व टिहरी में भारी बारिश के चलते जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। हरिद्वार में अलग-अलग स्थानों पर यथा मंगलौर, ज्वालापुर, भगवानपुर, डोईवाला, लच्छीवाला, हरबर्टपुर, सुद्धोवाला, सेलाकुई, क्लेमनटाउन, सहसपुर तथा इनके आस पास के क्षेत्रों में भारी वर्षा / बिजली के साथ तूफान तीव्र वर्षा होने की संभावना है। टिहरी गढ़वाल के अलग-अलग स्थानों पर यथा- भोगपुर, घनसाली, शिवपुरी, देवप्रयाग, ऋषिकेश, चंबा, मसूरी, धनोल्टी तथा इनके आस पास के क्षेत्रों में मध्यम वर्षा/बिजली के साथ तूफान/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने की संभावना है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।